जैनेन्द्र रचित 'त्यागपत्र' में निहित संवेदना और चेतना

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय

हिंदी केन्द्रीय विभाग

कीर्तिपुर, काठमान्डौ

के लिए

एम.ए. हिंदी के चतुर्थ सत्र के

पंचम पत्र (विषय कोड ५७०) के

रूप में प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी

रेखा यादव

हिन्दी केन्द्रीय विभाग

त्रिभुवन विश्वविद्यालय कीर्तिपुर

काठमान्डौ, नेपाल

२०७५

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय

हिंदी केन्द्रीय विभाग

कीर्तिपुर, काठमान्डौ

प्रमाणित किया जाता है कि "जैनेन्द्र रचित त्यागपत्र में निहित संवेदना और चेतना" शोधपत्र मेरे निर्देशन में हिन्दी विभाग की छात्रा रेखा यादव ने तैयार किया है । एम.ए. हिंदी के चतुर्थ सत्र के पंचम पत्र (विषय कोड ५७०) के रूप में प्रस्तुत इस शोधपत्र को त्रिभुवन विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृति देने और उचित मूल्यांकन के लिए सिफारिश करती हूँ ।

डॉ.श्वेता दीप्ति

शोधनिर्देशक

उपप्राध्यापक

हिन्दी केंद्रीय विभाग

त्रिभुवन विश्वविद्यालय कीर्तिपुर, काठमान्डौ ।

दिनांक :

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय

हिंदी केन्द्रीय विभाग

कीर्तिपुर, काठमान्डौ

स्वीकृति प्रमाणपत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र संकाय अन्तर्गत हिन्दी केन्द्रीय विभाग की **छात्रा रेखा यादव** द्वारा तैयार किया गया **"जैनेन्द्र रचित त्यागपत्र में निहित संवेदना और चेतना"** शीर्षक का शोधपत्र आवश्यक मूल्यांकन कर स्वीकृत किया गया है ।

मूल्यांकन समिति

क्र.सं.	**पद**	**नाम**	**हस्ताक्षर**
१.	विभागीय प्रमुख	**डा.संजीता वर्मा**	.....
२.	शोधनिर्देशक	**उप प्रा. डा.श्वेता दीप्ति**	.....
३.	बाह्य परीक्षक		.....

दिनांक :

विषय सूची

क्र.सं. विवरण	पृष्ठ संख्या
प्रथमः अध्याय	
१.१ शोधपरिचय	१
१.२ शोध प्रयोजन	१
१.३ समस्या कथन	१
१.४ शोध कार्य का उद्देश्य	२
१.५ पूर्व कार्य की समीक्षा	२
१.६ शोध कार्य का औचित्य	२
१.७ अध्ययन की सीमा	३
१.८ शोधविधि	३
१.९ शोधपत्र की रुपरेखा	३
द्वितीयः अध्याय	
२.१ जैनेन्द्र का व्यक्तित्व	५
२.२ जैनेन्द्र का रचना संसार	९
तृतीयः अध्याय	
३.१ जैनेन्द्र की रचना मनोवैज्ञानिक स्तर पर	१३
३.२ जैनेन्द्र की रचनाओं में स्त्री	२६
चतुर्थः अध्याय	
४.१ जैनेन्द्र रचित त्यागपत्र में निहित संवेदना और शिल्प	३१
४.२ कथानक	३२

४.३ शीर्षक की सार्थकता ३७

४.४ कथा प्रस्तुत करने की नयी शैली ३९

४.५ संवेदना का स्वरूप ४३

४.६ त्यागपत्र की नायिका मृणाल ४५

४.७ त्यागपत्र में निहित चेतना ४९

पंचमः अध्याय

५.१ उपसंहार ५३

सन्दर्भ ग्रंथ ५६

भूमिका

प्रस्तुत शोधपत्र मेरे द्वारा स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्र के लिए लिखा गया है । हिन्दी साहित्य के आधुनिक इतिहास में जैनेन्द्र का एक विशिष्ट स्थान है । प्रेमचंद की तरह ही जैनेन्द्र ने हिन्दी साहित्य जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई है । आपका कथा संसार मानव मन की परतों को उघाड़ता चलता है जो सहज ही पाठकों को अपनी ओर खींचता चलता है । आपके उपन्यासों और कहानियों को पढने का अवसर मिला जिसकी वजह से सहज ही इनकी रचना संसार की ओर आकर्षित होती चली गई । संवेदनाओं और भावनाओं से भरा हुआ है इनका कथा संसार । ऐसे में ही त्यागपत्र उपन्यास को पढने का अवसर मिला और त्यागपत्र की नायिका मृणाल की अव्यक्त पीड़ा और समाज द्वारा बनाए गए बन्धन से उसके गुजरते हुए जीवन की तकलीफ से भी पहचान हुई और यही मेरे शोधपत्र का विषय बन गया । पहले तो लगा कि यह कार्य बहुत कठिन है परन्तु मैं आभारी हूँ अपनी निर्देशिका डा. श्वेता दीप्ति की जिन्होंने मुझे हौसला प्रदान किया और विषय से सम्बन्धित हर पहलु पर मेरी सहायता की । जिसके बिना शायद यह कार्य सम्भव नहीं था । आभारी हूँ विभागीय प्रमुख डा. संजीता वर्मा की जिनका प्रोत्साहन मुझे मिलता रहा है । विभाग के सभी गुरुवर्ग का भी मैं आभार व्यक्त करती हूँ ।

रेखा यादव

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर